शिक्षा में यथार्थवाद :- यथार्थवाद का अर्थ :- यथार्थवाद शब्द अंग्रेजी के Realism शब्द का रूपान्तरण है। रियल शब्द ग्रीक भाषा के (Reas) से बना है, जिसका अर्थ है- वस्तु अतः Real शब्द का अर्थ हुआ - वस्तु सम्बन्धी। इसप्रकार यथार्थवाद वस्तु के अस्तित्व सम्बन्धी विचारों के प्रति एक दृष्टिकोण है जिसके अनुसार संसार की वस्तुएँ यथार्थ है।

स्वामी रामतीर्थ :- "यथार्थवाद का अर्थ उस विश्वास या सिद्धान्त से है जो संसार को वैसा ही मानता है जैसा वह हमें दिखाई देता है अर्थात संसार एक प्रपंचमात्र है।"
- स्वामी रामतीर्थ

यथार्थवाद के रूप :- (1) मानवतावादी यथार्थवाद
(2) सामाजिकतावादी यथार्थवाद
(3) ज्ञानेन्द्रिय यथार्थवाद
(4) नव यथार्थवाद

सिद्धान्त :- (i) प्रत्यक्ष जगत सत्य है (ii) ज्ञानेन्द्रियाँ ज्ञान के द्वार हैं
(3) अस्तित्व का सिद्धान्त (4) आदर्शवाद का विरोध
(5) प्रयोग पर बल (6) मनुष्य भौतिक जगत का एक अंग मात्र है
(7) आत्मा परमात्मा कल्पना की विषय-वस्तु (8) भौतिक संसार से परे कोई संसार नहीं।

यथार्थवादी शिक्षा की विशेषताएँ :- (i) विज्ञान पर आधारित (ii) बालक के वर्तमान जीवन पर बल
(3) प्रयोग तथा व्यवहारिक जीवन पर बल
(4) पुस्तकीय ज्ञान का विरोध (6) बालक की नियंत्रित स्वतंत्रता
(5) ज्ञानेन्द्रियों के प्रशिक्षण पर बल

यथार्थवादी शिक्षा के उद्देश्य :-
(1) बालक को एक सुखी तथा सफल जीवन के लिए तैयार करना।
(2) बालक को वास्तविक जीवन के लिए तैयार करना।
(3) बालक की शारीरिक तथा मानसिक शक्तियों का विकास करना।
(4) ज्ञानेन्द्रियों का विकास करना (5) व्यावसायिक शिक्षा देना।

यथार्थवाद तथा पाठ्यक्रम :- (1) प्रकृति, विज्ञान तथा व्यवसाय सम्बन्धी विषयों को स्थान दिया। भाषा, कला एवं साहित्य को गौण स्थान।

✓ शिक्षण पद्धति :- ज्ञानेन्द्रियों के प्रशिक्षण, भ्रमण तथा पर्यटन, निरीक्षण, प्रयोग, अनुभव।

अनुशासन :- प्रेम, सहानुभूति द्वारा। शिक्षक :- मार्गदर्शक के रूप में।

✓ यथार्थवाद बहुतत्ववाद का समर्थन करता है।

✓ यथार्थवाद का नारा - व्यवहारिकता है

Scanned with CamScanner